OSWAAL BOOKS®

LEARNING MADE SIMPLE

CBSE

Mind Maps

CLASS 12

Hindi Core

ACADEMICS' CHOICE™ SMART BOOK AWARD WINNER

MOST TRUSTED BRANDS OF INDIA 2021

THE ECONOMIC TIMES ICONIC BRANDS OF INDIA Made In India

Prepare, Revise & Practice Online on www.Oswaal360.com or OSWAAL 360 on

To know about more useful books *click here*

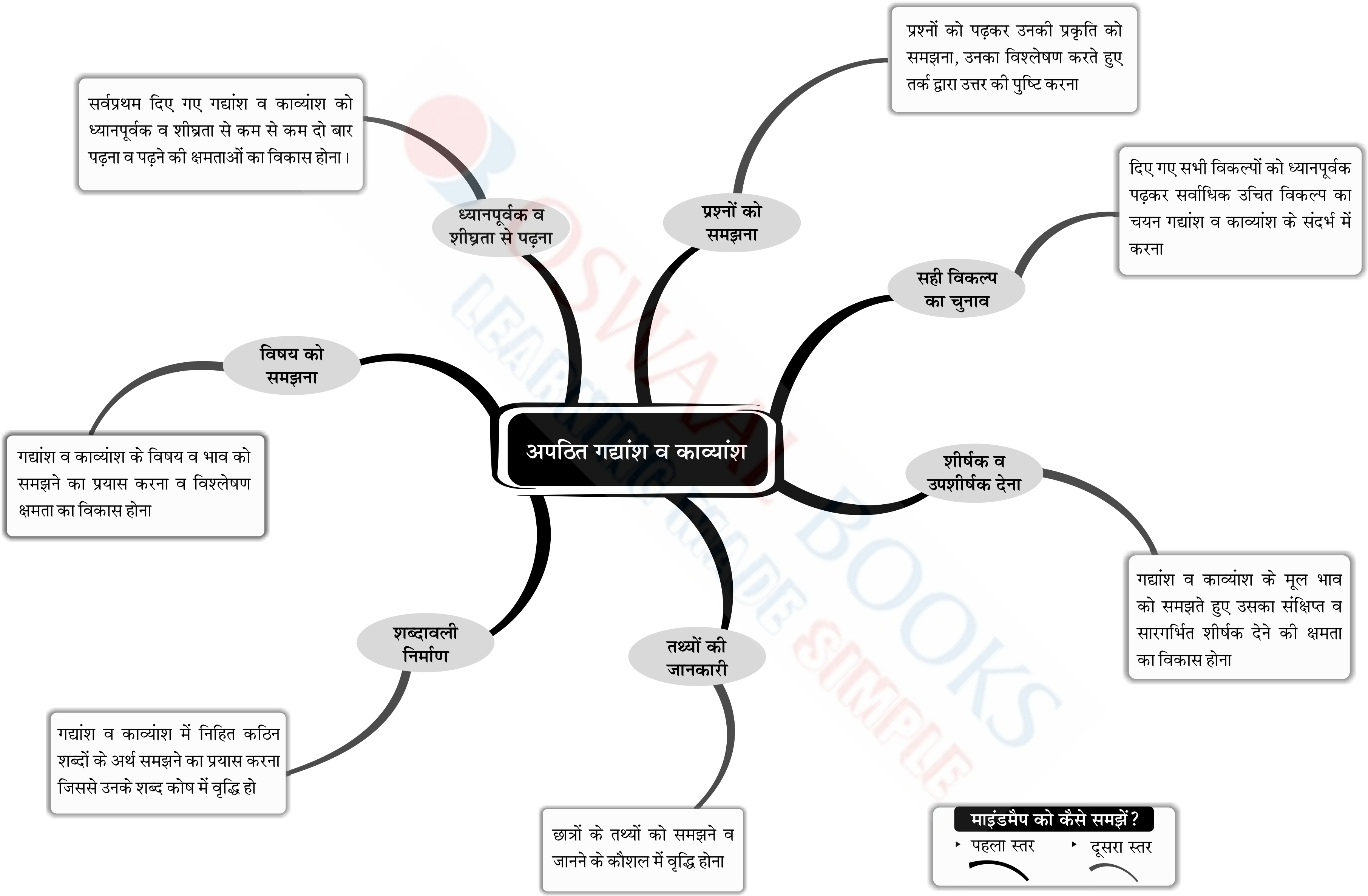
अपठित गद्यांश व काव्यांश
प्रश्नों को समझना
प्रश्नों को पढ़कर उनकी प्रकृति को समझना, उनका विश्लेषण करते हुए तर्क द्वारा उत्तर की पुष्टि करना
सही विकल्प का चुनाव
दिए गए सभी विकल्पों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उचित विकल्प का चयन गद्यांश व काव्यांश के संदर्भ में करना
शीर्षक व उपशीर्षक देना
गद्यांश व काव्यांश के मूल भाव को समझते हुए उसका संक्षिप्त व सारगर्भित शीर्षक देने की क्षमता का विकास होना
तथ्यों की जानकारी
छात्रों के तथ्यों को समझने व जानने के कौशल में वृद्धि होना
शब्दावली निर्माण
गद्यांश व काव्यांश में निहित कठिन शब्दों के अर्थ समझने का प्रयास करना जिससे उनके शब्द कोष में वृद्धि हो
विषय को समझना
गद्यांश व काव्यांश के विषय व भाव को समझने का प्रयास करना व विश्लेषण क्षमता का विकास होना
ध्यानपूर्वक व शीघ्रता से पढ़ना
सर्वप्रथम दिए गए गद्यांश व काव्यांश को ध्यानपूर्वक व शीघ्रता से कम से कम दो बार पढ़ना व पढ़ने की क्षमताओं का विकास होना।
माइंडमैप को कैसे समझें ?
पहला स्तर
दूसरा स्तर

पाठ्य-पुस्तक आरोह (भाग-2) पद्य

- **1. हरिवंश राय (कवि)**
  - दिन जल्दी-जल्दी ढलता है। (कविता)
    - (सारांश) कवि कहता है कि मन उत्कृष्ट इच्छाओं से भरा है, लेकिन समय सीमित है। अत: मन यह सोचकर घबराता है कि कहीं रास्ते में ही रात न हो जाए। इस बात को कवि चिड़िया, पथिक आदि बिम्बों के माध्यम से प्रस्तुत करता है। लेकिन जब कोई प्रतीक्षा में व्याकुल न हो तो कदमों में शिथिलता आ जाती है, के माध्यम से कवि ने अपने अकेलेपन को व्यक्त किया है।
- **2. कुँवर नारायण (कवि)**
  - कविता के बहाने (कविता)
    - (सारांश) इस कविता में कवि ने कविता के व्यापक विषय क्षेत्र का वर्णन किया है। चिड़िया की उड़ान, फूलों की मुस्कान, बच्चों की क्रीड़ा सीमित हैं जबकि कविता असीम व अनन्त है। कविता की उड़ान, उसकी खुशबू और खेल सीमाओं के बन्धन से परे हैं। कविता कल्पनापूर्ण, प्रेरक व महान होती है।
- **3. रघुवीर सहाय (कवि)**
  - कैमरे में बन्द अपाहिज (कविता)
    - (सारांश) कविता में कवि ने मीडिया व समाज की संवेदनहीनता पर गहरा कटाक्ष किया है। एक मीडियाकर्मी अपने कार्यक्रम को आकर्षक एवं बिकाऊ बनाने के लिए विकलांग की दयनीयता को क्रूरता से उभारता है। कैमरे के सामने उससे ऐसे प्रश्न पूछे जाते हैं कि वह बेबसी से रोने लगता है। मीडियाकर्मी अपाहिज व्यक्ति के विकृत अंगों की बड़ी-बड़ी तस्वीरें स्क्रीन पर दिखाकर दर्शकों को उकसाते हैं। यह सब संवेदना से परे शुद्ध व्यावसायिक लाभ हेतु किया जाता है।
- **4. गजानन माधव मुक्तिबोध (कवि)**
  - सहर्ष स्वीकार्य है (कविता)
    - (सारांश) कवि कहता है कि मैं अपने अज्ञात प्रेमी के साथ गहराई से जुड़ा हूँ। उसकी गरबीली गरीबी, अनुभव, चिन्तन, भावनाएँ मौलिक होते हुए भी प्रेम के सम्बल से प्राप्त हुए हैं, लेकिन फिर भी कवि उस प्रेम से बाहर निकलना चाहता है क्योंकि इस प्रेम ने उसे असहाय और कमजोर बना दिया है। प्रेमी को भूलना उसके लिए दण्ड के समान है, लेकिन फिर भी उसे सहर्ष स्वीकारा है क्योंकि इसमें भी प्रिय का साथ है।

माइंडमैप को कैसे समझें?
- पहला स्तर
- दूसरा स्तर

खण्ड-ग (पाठ्य-पुस्तक) आरोह (भाग-2) गद्य

1. भक्तिन

महादेवी वर्मा (लेखिका)

(पाठ परिचय) लेखिका द्वारा अपनी सेविका भक्तिन के अतीत और वर्तमान का परिचय देते हुए उसके व्यक्तित्व का वर्णन

(सारांश) बचपन में माता के देहान्त के बाद विमाता ने 9 वर्ष की आयु में विवाह कर ससुराल भेज दिया। एक-एक कर तीन लड़कियों को जन्म देने के कारण भक्तिन को ससुराल में सास और जिठानियों द्वारा प्रताड़ित होना पड़ा। पति की मृत्यु होने पर भक्तिन की सम्पत्ति को हड़पने की कोशिश की गई। सफल न होने पर षड्यन्त्र रच भक्तिन की विधवा बेटी का ब्याह तीतर-बाज से करा दिया जिसने मेहनत से तैयार किए खेत-खलिहान बर्बाद कर दिए। जमींदार द्वारा (लगान न चुका पाने के जुर्म में) भक्तिन को अपमानित किया गया। तब भक्तिन शहर में लेखिका के यहाँ सेविका बन गईं। भक्तिन के सेवाभाव के कारण लेखिका व उसके मध्य स्वामी-सेविका के स्थान पर आत्मिक सम्बन्ध बन गए। भक्तिन ने लेखिका को भी देहातिन बना दिया।

2. बाजार दर्शन

जैनेन्द्र कुमार (लेखक)

(पाठ परिचय) बाजार के मोह-जाल में फँसे बिना आवश्यकताओं के लिए बाजार का उपयोग।

(सारांश) लेखक के मित्र अपनी पत्नी के साथ एक मामूली चीज खरीदने बाजार जाते हैं और ढेर सामान खरीदकर लौटते हैं। इसके लिए पत्नी को जिम्मेदार ठहराते हैं। पैसा पावर है। संयमी लोग पैसा जोड़ते हैं व संग्रह को देख गर्व करते हैं। कुछ लोग ही बाजार के आकर्षण (जादू) से बच पाते हैं। संयमहीन लोगों को बाजार पागल बना देता है। लेखक के पड़ोसी चूरनवाले भगतजी छः आने का चूरन बिकते हर बाकी का बच्चों में मुफ्त बाँट देते हैं। बाजार का जादू उन पर नहीं चलता। वे जो वस्तु खरीदने जाते हैं वही खरीदते हैं। बाजार की सार्थकता इसी में है कि हम उसके जादू के मोह में फँसे बिना आवश्यक वस्तु ही खरीदें।

3. काले मेघा पानी दे

धर्मवीर भारती (लेखक)

(पाठ परिचय) पाठ में वर्षा के सम्बन्ध में लोकप्रचलित विश्वास और विज्ञान के बीच के द्वन्द्व को उभारा है।

(सारांश) आषाढ़ के महीने में जब एक सप्ताह तक वर्षा न हुई तो किशोरावस्था वाले लड़कों की इन्दर सेना वर्षा के देवता इन्द्र को प्रसन्न करने के लिए घर-घर पानी माँगती हैं। पानी की कमी के बावजूद महिलाएँ सहेज कर रखे पानी को उनके ऊपर डाल देती हैं। लेखक को यह पानी की बर्बादी लगता है। लेखक आर्य समाजी व कुमार सुधार सभा का उपमन्त्री था। वह समाज में फैले इन अन्धविश्वासों को जड़ से उखाड़ना चाहता था। दूसरी ओर लेखक के माँ की उम्र की औरत, जिसे लेखक जीजी कहता व बहुत सम्मान देता था, वह लेखक से कई पूजा-पाठ और अनुष्ठान कराती। उसके स्नेह के कारण लेखक को न चाहते हुए भी सब करना पड़ता। जीजी के करने पर भी लेखक इन्दर सेना पर पानी न फेंका और उनसे नाराज हो गया। लेकिन उस घटना के पचास वर्ष बाद लेखक सोचता है कि आज का मनुष्य स्वार्थी है। सब भ्रष्टाचार की बुराई करते हैं, लेकिन कहीं-न-कहीं स्वयं भी उसका अंग बने हैं। काले बादलों द्वारा झमाझम पानी बरसाने पर भी गगरी फूटी और बैल प्यासे रह जाते हैं। आखिर यह स्थिति कब बदलेगी ?

मांइडमैप को कैसे समझे?

- पहला स्तर
- दूसरा स्तर
- तीसरा स्तर

खण्ड - (अ) पूरक पाठ्य-पुस्तक वितान (भाग-2)

1. सिल्वर वैडिंग

मनोहर श्याम जोशी (लेखक)

मुख्यपात्र–यशोधर बाबू, किशनदा

पीढ़ियों के बीच अन्तराल को दर्शाती (पाठ–परिचय)

(सारांश) कहानी के नायक यशोधर बाबू एक संस्कारी व्यक्ति हैं, लेकिन आधुनिक विचारधारा वाले लोग उनसे सहमत नहीं रहते। वे समय पर ऑफिस आते–जाते हैं। ऑफिस में नए लड़के चड्ढा द्वारा बदतमीजी किए जाने को वे अनदेखा करते हैं। वे किशन दा से बहुत प्रभावित हैं व उन्हें अपना गुरु मानते हैं। किशनदा ने ही उन्हें दफ्तर में नौकरी दिलवाई। किशनदा अविवाहित थे। यशोधर बाबू सदैव उनके सिद्धान्तों पर चलते रहे। यशोधर बाबू के तीन बेटे व एक बेटी है। सबसे बड़ा बेटा भूषण विज्ञापन एजेंसी में ₹ 500 प्रति माह कमाता है। उनके चारों बच्चे और पत्नी आधुनिक विचारों के हैं जिसके कारण यशोधर बाबू से उनका मतभेद चलता रहता है। यूँ यशोधर बाबू को बच्चों की तरक्की पसन्द है। बच्चे यशोधर बाबू की शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर पार्टी देते हैं। यशोधर बाबू न चाहते हुए भी पत्नी के साथ केक काटते हैं। बड़ा बेटा भूषण उन्हें ऊनी गाऊन उपहार में देते हुए कहता है कि इसे पहनकर ही सवेरे दूध लेने जाया करें। यशोधर बाबू की आँखों में आँसू आ गए। गाउन पहनकर उन्हें लगा कि उनके अंगों में यशोधर बाबू उतर आए हैं।

2. जूझ

आनन्द यादव (लेखक)

मुख्यपात्र–लेखक, माता–पिता, दत्ताजीराव, सौदलगेकर

(पाठ–परिचय) लेखक की बचपन में पढ़ाई हेतु संघर्ष की गाथा

(सारांश) आनन्दा (लेखक) गाँव में माता–पिता के साथ रहता था। पिता सारा दिन गाँव में यहाँ–वहाँ घूमने व रखमाबाई के कोठे पर बिता देते व आनन्दा से खेत में सारा काम कराते। वे आनन्दा की पढ़ाई के पक्ष में नहीं थे। लेकिन आनन्दा का मन पढ़ने को तड़पता। अत: वह गाँव के प्रभावशाली व्यक्ति दत्ताजीराव की मदद से पिता पर दबाव बनवाकर पढ़ाई के लिए राजीकर लेता है। शुरू में आनन्दा को विद्यालय में साथी छात्र चह्वाण के द्वारा बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन वसन्त पाटिल नाम के होशियार लड़के से मित्रता होने पर पढ़ाई में वह होशियार हो जाता है। साथ ही मराठी शिक्षक श्री सौदलगेकर के सम्पर्क व प्रोत्साहन पर स्वयं कविता लिखने लगता है। इससे आनन्दा की मराठी भाषा में सुधार आता है। वह अलंकार, छन्द, लय आदि की सूक्ष्मता भी समझने लगता है।

मांइडमैप को कैसे समझे ?

- पहला स्तर
- दूसरा स्तर
- तीसरा स्तर